प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART - 3   **टूटा पहिया (इतिहासों की ----- आश्रय ले)**

1. नए शब्द –

* इतिहास - इतिवृत्त ചരിത്രം * सामूहिक – सम्मिलित കൂട്ടായ * गति – प्रवाह, संचार പ്രവാഹം * सहसा - अचानक പെട്ടെന്ന്
* झूठी पड जाना – असत्य सिद्ध होना അസത്യമെന്ന് തെളിയുക * सच्चाई - सत्य * आश्रय लेना – सहारा लेना ആശ്രയിക്കുക

2. समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें ।

1. अचानक – सहसा 2. सत्य – सच्चाई 3. संचार – गति 4. सहारा – आश्रय

3. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. झूठी पड जाना – असत्य सिद्ध होना 2. आश्रय लेना – सहारा लेना

4. विशेषण शब्द लिखें ।

1. सामूहिक गति – सामूहिक

5. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. सच्चाई को किसका आश्रय लेना पडता है ?
   टूटे हुए पहियों का
2. किसकी सामूहिक गति अधर्म की ओर जाने की संभावना है ?
   इतिहासों की
3. इतिहासों की सामूहिक गति की क्या होने की संभावना है ?
   असत्य साबित होने की
4. ' इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड जाने पर '– इन पंक्तियों का आशय है ------ ?
   इतिहासों की गति झूठे मार्ग पर चलने लगती है ।
5. वर्तमान समय में सत्य की पुन स्थापना की लडाई में कौन सहायक बनेगा ?
   मानवीय मूल्य
6. सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले ! – से आपने क्या समझा ?

   आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है । तब सत्य के पक्ष,आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा । इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए । मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा ।

7. इतिहासों की सामूहिक गति
   सहसा झूठी पड जाने पर
   क्या जाने
   सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले ! **- इन पंक्तियों से कवि क्या बताना चाहते हैं ?**

   आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है । तब सत्य के पक्ष, आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा । इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए। मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा ।

8. कवितांश का आशय (इतिहासों की .... आश्रय ले)

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **' श्री . धर्मवीर भारती '** की कविता संग्रह **' सात गीत वर्ष '** से चुनी गई ' टूटा पहिया ' कविता से ली गई हैं । महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है । इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए ।

कवि अपने को टूटा पहिया मानते हुए कहते हैं कि आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है । उस समय सत्य के पक्ष, आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा । इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए । मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा ।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है । कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है ।

SREEJITH R KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

9. टूटा पहिया कविता की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखें ।

हिन्दी के प्रसिद्ध कवि धर्मवीर भारती की छोटी कविता है टूटा पहिया । प्रस्तुत कविता में रथ का टूटा हुआ पहिया हमें बताता है कि उसे बेकार समझकर मत फेंकना । दुरूह चक्रव्यूह रचकर कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि में महीरथियों को लडने केलिए तैयार होते देखकर उन्हें चुनौती देता हुआ अभिमन्यु आगे आया । इसी प्रकार हो सकता है कि हमारे समाज में अमर्ध की अक्षौहिणी सेनाओं से लडने के लिए सच्चाई के मार्ग पर टलनेवाला कोई नौजवान आए । ज़रूरत के अवसर पर अभिमन्यु टूटे पहिये का सहारा लेता है । उसीप्रकार सच्चाई की स्थापना के लिए हमारे सामने जो भी चीज़ आएगी उसे बेकार मत समझना । आज के समाज के शोषित जन को शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाने का आह्वान भी इसमें है ।

6. आशयवाली पंक्तियाँ लिखें।

1. सत्य का पक्ष टूटे हुए पहियों का सहारा ले सकता है ।
   सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले !
2. इतिहास की गति झूठे मार्ग पर चलने लगती है ।
   इतिहासों की सामूहिक गति / सहसा झूठी पड जाने पर

7. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1. सामूहिक - सहारा
   सहसा - संचार
   गति - अचानक
   आश्रय - सम्मिलित

2. टूटे हुए पहिये को – झूठी पड जाती है ।
   इतिहासों की सामूहिक गति – अपना मूल्य है ।
   सच्चाई - तुच्छ समझकर छोडना नहीं चाहिए ।
   समाज में हरेक वस्तुओं को - टूटे हुए पहियों का आश्रय लेता है ।

व्याकरण अंश

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. वे अधर्मियों का पक्ष लेते हैं । वे अधर्मियों का पक्ष लेंगे ।
   वह मानवीय मूल्य का आश्रय लेता है । वह मानवीय मूल्य का आश्रय ---------- ।
2. टूटा पहिया सहायक बनता है । टूटा पहिया सहायक बन सकता है ।
   अभिमन्यु अकेले लडता है । अभिमन्यु अकेले ---------- ।

2 . कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. इतिहासों की गति झूठी पड ---------- । (जाएगा, जाएगी, जाएँगे, जाएँगी)

3. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. आश्रय लेनी पडेगी ।
   आश्रय लेना पडेगा ।
   आश्रय लेनी पडेंगी ।
   आश्रय लेने पडेगे ।

4. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. झूठी पड जाती है । (सहसा, उतिहासों की)
   गति झूटी पड जाती है ।
   ----------।
   ---------- ।
2. आश्रय लेगा । (टूटे हुए, सच्चाई)
   पहियों का आश्रय लेगा ।
   ----------।
   ---------- ।

5. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. <u>सच्चाई</u> पहिया का आश्रय लेता है । (बुराई)
2. इतिहासों की <u>गति</u> झूठी पड जाती है । (प्रवाह)
3. पहियों का <u>आश्रय</u> लेता है । (मदद)

SREENATH P, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545